Tere rehmat se premi tere sanwre Lyrics in Hindi and English

Tere rehmat se premi tere sanwre Lyrics in Hindi

तेरी रहमत से प्रेमी तेरे सांवरे, क्या से क्या हो गए देखते देखते कल तलक जिनकी कोई भी हस्ती न थी, बादशाह हो गए देखते देखते तेरी रहमत से प्रेमी तेरे सांवरे, क्या से क्या हो गए देखते देखते

जिनकी गिनती जहां के फकीरो में थी, कोई खुशिया न जिनकी लकीरो में थी जो न सोचा कभी था वही हो गया, रंकराजा हुए देखते देखते कल तलक जिनकी कोई भी हस्ती न थी, बादशाह हो गए देखते देखते तेरी रहमत से प्रेमी तेरे सांवरे, क्या से क्या हो गए देखते देखते

आ गया चलके जो खाटु के गांव में, शाम रखता उन्हें नजरो की छांव में शाम कृपा से खुशियो के दीपक जले, सारे गम सो गए देखते देखते कल तलक जिनकी कोई भी हस्ती न थी, बादशाह हो गए देखते देखते तेरी रहमत से प्रेमी तेरे सांवरे, क्या से क्या हो गए देखते देखते

खाटु नगरी में चलती है ऐसी हवा, जिसमें गन के मरीजी की होती दवा भक्त द्वारे पे आया है जे हार के, शाम उनके हुए देखते देखते कल तलक जिनकी कोई भी हस्ती नथी, बादशाह हो गए देखते देखते तेरी रहमत से प्रेमी तेरे सांवरे, क्या से क्या हो गए देखते देखते

तेरी रहमत से प्रेमी, तेरे सांवरे, क्या से क्या हो गए देखते देखते कल तलक जिनकी कोई भी हस्ती न थी, बादशाह हो गए देखते देखते तेरी रहमत से प्रेमी तेरे सांवरे, क्या से क्या हो गए देखते देखते

Tere rehmat se premi tere sanwre Lyrics in English

Teri rehmat se premi tere sanware, Kya se kya ho gaye dekhte dekhte. Kal talak jin ki koi bhi hastee na thi, Badshah ho gaye dekhte dekhte. Teri rehmat se premi tere sanware, Kya se kya ho gaye dekhte dekhte.

Jinki ginti jahan ke fakiro mein thi, Koi khushiyan na jinki lakeero mein thi, Jo na socha kabhi tha wahi ho gaya, Rankaraja hue dekhte dekhte. Kal talak jin ki koi bhi hastee na thi, Badshah ho gaye dekhte dekhte. Teri rehmat se premi tere sanware, Kya se kya ho gaye dekhte dekhte.

Aa gaya chalke jo Khatu ke gaon mein, Shaam rakhta unhe nazron ki chhaon mein, Shaam kripa se khushiyon ke deepak jale, Saare gham so gaye dekhte dekhte. Kal talak jin ki koi bhi hastee na thi, Badshah ho gaye dekhte dekhte. Teri rehmat se premi tere sanware, Kya se kya ho gaye dekhte dekhte.

Khatu nagri mein chalti hai aisi hawa, Jisme gan ke mariji ki hoti dawa, Bhakt dware pe aaya hai je haar ke, Shaam unke hue dekhte dekhte. Kal talak jin ki koi bhi hastee na thi, Badshah ho gaye dekhte dekhte. Teri rehmat se premi tere sanware, Kya se kya ho gaye dekhte dekhte.

Teri rehmat se premi, tere sanware, Kya se kya ho gaye dekhte dekhte, Kal talak jin ki koi bhi hastee na thi, Badshah ho gaye dekhte dekhte. Teri rehmat se premi tere sanware, Kya se kya ho gaye dekhte dekhte.

About Tere rehmat se premi tere sanwre Bhajan in English

"Tere Rehmat Se Premi Tere Sanware" is a devotional bhajan that highlights the transformative power of **divine grace** and the immense love and blessings bestowed by **Lord Shyam** (a form of Lord Krishna). This bhajan emphasizes how the divine grace of Lord Shyam has the ability to completely change a person's life, taking them from insignificance to greatness. The lyrics express the profound effect of Krishna's blessings on his devotees, illustrating how they are lifted from despair and hardship to a state of divine joy and prosperity.

• The Transformative Power of Divine Grace: The central theme of the bhajan is the transformative power of Lord Shyam's grace. "Teri rehmat se premi tere sanware" (By your grace, O Lord, the devotee has been transformed) signifies that the devotee's life is completely altered by the divine grace of Lord Shyam. The bhajan illustrates how

- even the most ordinary person can become extraordinary under the divine protection and blessings of Krishna.
- From Humble Beginnings to Divine Royalty: The bhajan contrasts the devotee's past struggles and lack of recognition with the transformation they experience after receiving Lord Shyam's blessings. "Kal talak jin ki koi bhi hastee na thi, badshah ho gaye dekhte dekhte" (Until yesterday, they had no identity, but today, they have become kings) emphasizes how Lord Shyam's grace elevates the devotee, turning them into a person of importance and prosperity.
- Divine Blessings and Fulfillment: The bhajan also emphasizes the
 fulfillment of desires through Krishna's grace. The line "Jo na socha
 kabhi tha wahi ho gaya, rankaraja hue dekhte dekhte" (What
 was never imagined has now come true, they have become kings
 from beggars) illustrates how the devotee's wishes are fulfilled by the
 Lord, and their life is filled with unexpected blessings and happiness.
- The Power of Faith and Devotion: The bhajan celebrates the idea that faith and devotion to Lord Shyam can bring miracles into one's life. It speaks to the power of surrendering to the divine will and seeking Krishna's help in every circumstance, knowing that His grace will always lead the devotee to success and fulfillment.
- The Divine Presence in Khatu Dham: The bhajan also highlights the sacredness of Khatu Dham, the place where Lord Shyam's divine presence is felt strongly. "Khatu nagri mein chalti hai aisi hawa, jisme gan ke mariji ki hoti dawa" (In the town of Khatu, a divine breeze flows that heals the ailments of those who come) suggests that just being in the divine presence of Lord Shyam can heal and uplift the soul, providing relief from worldly struggles.
- Complete Devotion and Surrender: The bhajan concludes by expressing the deep sense of surrender and devotion the devotee feels towards Lord Shyam. The devotee's heart is completely immersed in Krishna's love, and they express their desire to always be under His divine grace, which continuously transforms their life for the better.

Overall, "Tere Rehmat Se Premi Tere Sanware" is a heartfelt bhajan that speaks about the profound impact of Lord Shyam's grace on the

lives of his devotees. It highlights the transformation that occurs when a devotee surrenders themselves to Lord Shyam with full devotion and faith, experiencing blessings that lead to spiritual and material prosperity. The bhajan inspires faith, devotion, and the belief that divine grace is the key to overcoming life's challenges and achieving happiness.

About Tere rehmat se premi tere sanwre Bhajan in Hindi

'तेरी रहमत से प्रेमी तेरे सांवरे" भजन के बारे में

"तेरी रहमत से प्रेमी तेरे सांवरे" एक अत्यंत भावपूर्ण और भिक्त से भरा भजन है जो भगवान श्री श्याम (श्री कृष्ण के रूप) की कृपा और उनके प्रेम को दर्शाता है। इस भजन में भगवान श्री श्याम के अनंत आशीर्वाद और कृपा से एक भक्त की जिंदगी में आई अद्भुत बदलाब को बताया गया है। भजन में भगवान श्याम की दया के प्रभाव को दिखाया गया है, जो एक साधारण व्यक्ति को महान और समृद्ध बना देता है।

- भगवान श्री श्याम की कृपा का प्रभाव: भजन का मुख्य संदेश है कि भगवान श्री श्याम की कृपा के द्वारा भक्तों की ज़िंदगी में अपार परिवर्तन आता है। "तेरी रहमत से प्रेमी तेरे सांवरे" पंक्ति में यह व्यक्त किया गया है कि भगवान श्याम की रहमत से भक्त के जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है, जिससे उनकी कठिनाइयाँ दूर हो जाती हैं और उन्हें शांति और समृद्धि प्राप्त होती है।
- गरीबी से समृद्धि तक का सफर: भजन में यह दिखाया गया है कि भगवान श्री श्याम के आशीर्वाद से वह व्यक्ति, जो पहले किसी भी दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं था, अब बादशाह बन जाता है। "कल तलक जिनकी कोई भी हस्ती न थी, बादशाह हो गए देखते देखते" पंक्ति में इस बदलाव को दर्शाया गया है कि भगवान श्री श्याम की कृपा से भक्त की स्थिति और पहचान बदल जाती है।
- सच्ची श्रद्धा और भिक्त का फल: भजन यह भी बताता है कि भिक्त और श्रद्धा से भगवान की कृपा प्राप्त होती है। "जिनकी गिनती जहां के फकीरों में थी, कोई खुशियाँ न जिनकी लकीरों में थी" पंक्ति यह दर्शाती है कि जो पहले जीवन में संघर्ष कर रहे थे, भगवान की कृपा से उनका जीवन अब बदल गया है और वे खुशहाल हो गए हैं।
- खाटू धाम की महिमा: भजन में खाटू धाम की विशेषता का भी उल्लेख है, जो भगवान श्री श्याम की उपस्थित का प्रतीक है। "आ गया चलके जो खाटू के गांव में, शाम रखता उन्हें नजरों की छांव में" पंक्ति में खाटू धाम के आशीर्वाद को महसूस किया गया है, जहां हर भक्त भगवान की कृपा से सशक्त और समृद्ध होता है।

• भक्तों के लिए भगवान की देखभाल: भजन में यह भी बताया गया है कि भगवान श्री श्याम अपने भक्तों के सभी दुखों को समाप्त कर उन्हें आशीर्वाद देते हैं। "जो श्याम को यार बनाता, वो झूम झूम के गाता" पंक्ति में भक्त का श्याम के प्रति अडिग प्रेम और समर्पण दिखाया गया है, जो जीवन को संपूर्ण रूप से आनंदमय बना देता है।

कुल मिलाकर, "तेरी रहमत से प्रेमी तेरे सांवरे" भजन भगवान श्री श्याम की असीम कृपा और दया का प्रतीक है। यह भजन भक्तों को भगवान के प्रति श्रद्धा और समर्पण में बढ़ावा देता है, यह विश्वास दिलाते हुए कि भगवान श्री श्याम की कृपा से जीवन में हर परेशानी का हल है और सभी इच्छाओं की पूर्ति होती है। यह भजन शांति, समृद्धि और आशीर्वाद की प्राप्ति के लिए भगवान श्री श्याम की भक्ति के महत्व को उजागर करता है।